

यह है कि जिस प्रान्त में जितना सेस जमा किया जाता है वह सारा उसी प्रान्त में और उसी प्रान्त की एडवाइजरों, कमेटी की सलाह से खर्च किया जाता है। वैसे जितना भी लेबर कोल फील्ड्स में है वह कवर्ड है। कोयला खानों में करीब ४ लाख लोग काम करते हैं और उनके परिवारों को मिला कर करीब १६ लाख आदमी होते हैं। यह रुपया इन सब लोगों की भलाई के कामों के लिए खर्च किया जाता है।

Shri S. M. Banerjee: I want to know whether it is a fact that a good amount out of this total amount is likely to be spent in constructing houses for the mine workers and if so, to what extent?

Shri R. K. Malviya: Yes, Sir. Today, our estimated income from the cess for 1963-64 is going to be about Rs. 27.00 lakhs. Out of this amount, 50 percent of the amount will be spent on their housing. There is also accumulation of the amount of the past which is also being spent on housing.

Shri Mohammad Elias: There was a scheme for improved drinking water supply in Asansol and Raniganj area and subsequently this scheme did not materialise. May I know whether this scheme is going to materialise and what amount will be spent from the coal workers welfare fund for this improved water supply?

Shri R. K. Malviya: There are two different water supply schemes, one for the Asansol area and the other for the Jharja area. I have just said that the amount which is to be spent on Jharja water works is going to be to the tune of about Rs. 75 lakhs. This scheme will get a good amount as loan as also our subsidy. There is also a scheme for Asansol area. But it has not been finalised. As soon as it is finalised, it will come into operation. In that scheme also, there will be quite a large amount which will be given as loan and as subsidy to the West Bengal Government.

श्री प० ला० बारूपाल: बीकानेर जिले में, राजस्थान में कोयला निकलता है। वहां पर जो पालना की कोलरी है उसमें मजदूरों को पानी न मिलने के कारण बड़ी दिक्कत है। क्या उनके लिए सरकार कोई योजना बना रही है ?

अध्यक्ष महोदय : एक एक जगह के बारे में सवाल पूछा जाएगा तो बड़ी मुश्किल होगी।

श्री र० कि० मालवीय : पालना के बारे में, कुछ दिन हुए जब मैं जयपुर गया था तो बात हुई थी। पालना की कोलरी अभी ठीक ढंग से काम नहीं कर रही है। उसका क्षेत्र बहुत छोटा है और उसका सेस बहुत कम वसूल होता है। तो भी कोल कमेटी जिस ढंग से सिफारिश करेगी उसके मुताबिक काम किया जाएगा।

श्री विभूति मिश्र : कोयला खानों में जो मजदूर काम करते हैं उनकी सेहत बहुत खराब हो जाती है। क्या सरकार ऐसा इन्तजाम करना चाहती है, और उनको ऐसी सुहूलियत देना चाहती है कि उनकी सेहत ठीक रह सके ?

श्री र० कि० मालवीय : जहां तक सेहत का सवाल है, हमारे इस फंड से सब से ज्यादा एमाउंट, करीब ५०-५२ लाख रुपया, सिर्फ सेहत पर खर्च होता है। दो बड़े बड़े अस्पताल आसानसोल और धनबाद में हैं और उसके साथ रॉयनल अस्पताल हैं और जितने कोलरीज के अस्पताल हमारे स्टैंडर्ड के हैं उनको भी हम सहायता देते हैं। इस प्रकार इन मजदूरों की सेहत को प्रोटेक्ट करने का प्रयत्न करते हैं।

आकाशवाणी पर हिन्दी का प्रयोग

*१०६८. श्री भक्त दर्शन : क्या सूचना तथा प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कुछ समय पहले आकाशवाणी को हिन्दी के प्रयोग के बारे में परामर्श देने के लिए

श्री श्रीप्रकाश की अध्यक्षता में जो विशेष समिति नियुक्त की गई थी, उसकी अब तक कितनी और किन किन तिथियों को बैठकें हुई :

(ख) समिति ने क्या क्या सिफारिशें की हैं; और

(ग) उन सिफारिशों पर किस सीमा तक अमल किया गया है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उप मंत्री (श्री शामनाथ): (क) तीन; २२ अक्टूबर, २० दिसम्बर, १९६२ और २४ फरवरी, १९६३ ।

(ख) एक स्टेटमेंट जिसमें, अपेक्षित जानकारी दी हुई है, सभा पटल पर रखा जाता है [पुस्तकालय में रखा गया। देखिये संख्या एल० टी० १२४४६३]

(ग) सिफारिशों को इम्प्लीमेंट करने का काम बराबर चल रहा है ।

[(a) Three; on 22nd October, 20th December, 1962 and 24th February, 1963.]

(b) A statement giving the requisite information is placed on the Table of the Sabha [Placed in the Library. See No. LT-1244/63].

(c) The recommendations are being implemented as a continuous process.]

श्री भक्त दर्शन : जो विवरण दिया गया है उसमें जो सिफारिशें हैं उनमें पूर्वी सिफारिश यह है कि हिन्दी के समाचार ब्रेटिनों की भाषा यथासंभव इतनी सरल होनी चाहिए कि उसे अधिक से अधिक श्रोता जिनमें ऐसे लोग भी शामिल हैं जो हिन्दी अच्छी तरह नहीं जानते, आसानी से समझ सकें । मैं जानना चाहता हूँ कि जो लोग हिन्दी अच्छी तरह नहीं समझ सकते इन लोगों में ग्रहिन्दी भाषी प्रान्तों जैसे बंगाल, महाराष्ट्र अदि के और दक्षिण भारत के

लोग भी शामिल हैं या इनमें केवल वे लोग शामिल हैं जो उर्दू जानने के कारण हिन्दी को अच्छी तरह नहीं समझ सकते ?

श्री शाम नाथ : इसमें ज्यादातर तो वे लोग शामिल हैं जो नार्थ इंडिया में, दिल्ली, पंजाब वगैरह में रहते हैं और जो उर्दू जानते हैं और हिन्दी अच्छी तरह नहीं समझ सकते । इसी तरह बंगाल, महाराष्ट्र वगैरह के जो लोग ए० आई० आर० के हिन्दी ब्राडकास्ट सुनते हैं, और अच्छी तरह हिन्दी नहीं जानते, उनको भी इसमें शामिल समझना चाहिए ।

श्री भक्त दर्शन : इस विवरण में दूसरी सिफारिश यह है कि समाचारों का अंग्रेजी से अनुवाद करते समय प्रयत्न यह हो कि अनुवाद मूल जैसा अच्छा हो । क्या माननीय मंत्री जी ने यह विचार किया है कि यहाँ से हिन्दी के भाषणों के समाचार अंग्रेजी के द्वारा जाते हैं और फिर उनका हिन्दी में अनुवाद किया जाता है क्या आकाशवाणी ऐसी व्यवस्था नहीं कर सकती कि यहाँ से हिन्दी के समाचार हिन्दी में अपने मूल रूप में जायें और उसी रूप में प्रसारित किये जायें ?

श्री शाम नाथ : उनकी कोशिश की जा रही है कि जो राजेशन दिया गया है उसको पूरा किया जा सके । जहाँ तक लोक सभा की प्रोसीडिंग्स का सवाल है, यहाँ भी एक साथ हिन्दी व ले आते हैं और वह हिन्दी में लिख कर ले जाते हैं और उनका बाद में ब्राडकास्ट किया जाता है ।

श्री सिद्धेश्वर प्रसाद : इस विवरण में दी गई सिफारिशों में एक यह भी है कि नये शब्दों को निश्चित करते समय संस्कृत से ज्यादा सहायता ली जानी चाहिए । मैं यह जानना चाहता हूँ कि आकाशवाणी स

इस समय जो हिन्दी प्रसारित की जा रही है, क्या उसमें इस सिफारिश पर ध्यान दिया जा रहा है।

श्री शाम नाथ : इस सिफारिश पर बहुत ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है।

Shri Muthu Gounder: Is the Government aware that on account of too much of propagation of Hindi, people are switching over to Radio Ceylon, and if so, will they give equal opportunity for all national languages in All India Radio?

Mr. Speaker: That will be a different question.

श्री सरजू पाण्डेय : क्या माननीय मंत्री जी को ऐसी शिकायतें मिली हैं कि आल इंडिया रेडियो से जिस हिन्दी का प्रसारण किया जाता है, वह बहुत गलत होती है? यदि हाँ तो इस बारे में क्या कार्यवाही की गई है?

श्री शाम नाथ : ऐसी कोई शिकायत नहीं आई है।

Dr. Ranen Sen: Is the Minister aware of the fact that complaints have been made from Bengal that the Hindi used in All India Radio, namely Sanskritised Hindi, is not understood by the people in Bengal who want to listen to these broadcasts? If so, what arrangement has the Government of India and the Ministry made in respect of that?

The Minister of Information and Broadcasting (Dr. B. Gopala Reddi): As far as we are aware, no complaints have been received since the committee started functioning. Since the Sri Prakasa Committee began deliberating on this point, we have not received any complaint.

श्री यशपाल सिंह : क्या यह सही है कि यह भाषा देखने का काम एक ऐसे मनुष्य-भाव को सौंपा गया है, जो विदेश मंत्रालय में काम करते हैं और जिन्हें इतना समय नहीं

मिलता कि इस काम को देख सकें, और इसीलिए भाषा का परिमार्जन नहीं हो सका है?

श्री शाम नाथ : यह सही है कि डा० बच्चन, जो एक्सटर्नल एफेयरज मिनिस्ट्री में आफिसर आन स्पेशल इयूटी हैं, हमारे एड-वाइजर हैं। वह जितना ज्यादा से ज्यादा वक्त दे सकते हैं, वह हमारे काम के लिए देते हैं।

Dr. Sarojini Mahishi: The hon. Minister was pleased to state the other day that the addition of a few minutes Hindi programme to the usual rural programme is not under consideration. May I know the reasons for that?

Dr. B. Gopala Reddi: There are so many pressures, so many bulletins are needed, so much information is needed from the All India Radio, that we are not in a position to give more time for the relay of Hindi broadcasts from other stations.

Shri D. C. Sharma: In the statement given here, there is item 5 which says that steps should be taken to ensure that the staff engaged on this work is capable of meeting the requirements. May I know what efforts have been made so far, what steps have been taken, to reorient the staff so that some of the requirements are met. I want some specific answer, not a generalised answer.

Dr. B. Gopala Reddi: We want to screen the existing staff and see whether they are coming up to the standard, and if they are not up to the mark, perhaps they will have to be retrenched.

श्री द्वा० ना० तिवारी : चूंकि अहिन्दी-भाषियों में दो तरह के लोग हैं—एक ऐसे हैं, जो उर्दू से मिक्सड हिन्दी ज्यादा समझते हैं और दूसरे संस्कृत से मिक्सड हिन्दी ज्यादा समझते हैं, इसलिए उन लोगों का समावेश कैसे किया जा रहा है?

Dr. Gopala Reddi: We have to follow a middle course, and as far as we are concerned,* after the appointment of this committee, we are very happy that there are not too many complaints. Everybody seems to be more or less satisfied with the present day Hindi broadcasts.

Shri Narasimha Reddy: I have got some doubt about the name Prakash. I know whether this refers to my hon. friend Shri Prakash Vir Shastri? Secondly, may I know whether the Government intends to convert All India Radio very soon into an undiluted All Hindi Radio?

Shri Sham Nath: The Chairman of the Committee is Shri Sri Prakash, ex-Governor.

Shri Sheo Narain: How many Members are there in this Committee? Who are the Members?

Dr. Gopala Reddi: Seven.

डा० गोबिन्द दास : जहाँ तक भाषा की नीति का सम्बन्ध है, इस सदा की एक समिति बनी थी और उसने एक भाषा की नीति के सम्बन्ध में कुछ निश्चित सिद्धान्त तय किये थे । जो यह कमेटी बनी है, क्या उसने उन सिद्धान्तों को सामने रख कर भाषा की नीति के बारे में अपनी सिफारिशों की हैं ?

श्री शाम नाथ : जी हाँ । जो कमेटी एम० पी० जी की बनी थी, उसने जो सिफारिशें की थीं, वे इस कमेटी के सामने पेश की गई थीं । इस कमेटी ने उन पर गौर करके अपनी सिफारिशों की जिन पर अमल हो रहा है ।

Conference of Atomic Scientists held in Tokyo

+

*1069. { Shri Maheswar Naik:
Shri D. C. Sharma:

Will the Prime Minister be pleased to state:

(a) whether in a conference of Atomic Scientists held in Tokyo in March this year, a proposal had been broached for creating an organization to be called "ASIATOM" on the model of "EURATOM"; and

(b) if so, the attitude of the Government of India and the participating countries towards the formation of this organization?

The Deputy Minister in the Ministry of External Affairs (Shri Dinesh Singh): (a) Yes. A proposal to set up an organisation of countries in Asia and the Pacific on the model of Euratom was discussed at the recent conference of countries in Asia and the Pacific for the promotion of peaceful uses of atomic energy held in Tokyo on March 11, 1963.

(b) The proposal is being examined by the Government.

Shri Maheswar Naik: What are the specific functions of this organisation and how will the results of the research be shared by participating countries?

Shri Dinesh Singh: These are details which will be decided upon once this organisation comes into existence.

Shri Maheswar Naik: May I know whether the Government have agreed to share the results of research activities conducted by a particular country?

Shri Dinesh Singh: The idea is to share the experience in this organisation.

Shri Sham Lal Saraf: May I know if all the participating countries have agreed to work for the scheme for